P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-9* May- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

साक्षरता का स्थानिक वितरण प्रतिरूप– उत्तराखण्ड राज्य के गैरसैंण विकासखण्ड (जनपद चमोली) के सन्दर्भ में एक भौगोलिक अध्ययन

गजराज नेगी
शोध छात्र,
भूगोल विभाग,
डी0बी0एस0 (पी0जी0) कॉलेज,
देहरादून, उत्तराखण्ड, भारत

विजय बहुगुणा
असिस्टेन्ट प्रोफेसर,
भूगोल विभाग,
डी0बी0एस0(पी0जी0) कॉलेज,
देहरादून, उत्तराखण्ड, भारत

सारांश

साक्षरता समाज के विकास का प्रारम्भिक चरण है, इसे मानव संसाधन के विकास का आधार माना जाता है। किसी भी राष्ट्र के समुन्नित होने का प्रमुख कारण उस राष्ट्र का समृद्ध मानव संसाधन ही है। अध्ययन क्षेत्र ब्लॉक गैरसैंण के स्थानिक साक्षरता प्रतिरूप के अध्ययन से ज्ञात होता है कि क्षेत्र में शिक्षा के स्तर में निरन्तर सुधार जारी है। वर्ष 2011 की जनसंख्या के अनुसार अध्ययन क्षेत्र की कुल साक्षरता दर 77.50 है।, जिसमें पुरूष साक्षरता दर 91.43 एव स्त्री साक्षरता दर का प्रतिशत 66.37 प्रतिशत है। लैगिंक साक्षरता अन्तराल का अधिक होना चिंतनीय है। सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों तथा अपेक्षाकृत कम दूरियों पर विद्यालयों के निर्माण द्वारा इस समस्या को दूर किया जा सकता है।

मुख्य शब्द : साक्षरता दर , न्याय पंचायत , लैगिक साक्षरता अंतर।

प्रस्तावना

शिक्षा प्रगतिशील समाज के नींव के पत्थर के रूप में स्थापित एक महत्वपूर्ण घटक है। समाज का शिक्षित स्वरूप समाज की अन्य विकृतियो को कम करने का एक महत्वपूर्ण उपाय हैं। शिक्षा मनुष्य के जीवन में अमूल परिवर्तन लाने में एक महत्वपूर्ण कारण है, व्यक्ति विकास एवं सामाजिक प्रवाह में शिक्षा का योगदान इस तथ्य से स्पष्ट होता है कि समाज के सभी क्षेत्रो (सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक) की परिपक्वता का आधार एक सम्पूर्ण शिक्षित समाज है।

शिक्षा एक उपकरण के रूप में है जो समाज मे व्याप्त कुरीतियों, समस्याओं, गरीबी उन्मूलन एवं पर्यावरणीय समस्याओं को कम करने का सजग उपाय है। साक्षरता का अर्थ है कि साक्षर होना, अर्थात पढने एवं लिखने की क्षमता से सम्पन्न होना। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कमीशन 1974 के अनुसार'' साक्षरता से आश्य् किसी भी भाषा में साधारण संदेश को पढने, लिखने की योग्यता के साथ–साथ भाषा को समझने की क्षमता को साक्षरता माना जाता है, जब्कि भारतीय जनगणना 2001 के अनुसार 7 वर्ष या उससे अधिक उम्र का कोई भी व्यक्ति जो किसी भी भाषा में पढ लिख सकता है वह साक्षर नही है बल्कि साक्षर वह है जिसने औपचारिक रूप से कोई शिक्षा प्राप्त की हो या परीक्षा उत्तीर्ण की हो ।

साक्षरता किसी भी राष्ट्र के विकास का एक महत्वपूर्ण आधारभूत बिन्दू है, जो समाज की सामाजिक, आर्थिक उन्नति का प्रतीक है। अतः समाज के बहुआयामी विकास के लिए शिक्षा को एक प्रारम्भिक चरण माना गया है। साक्षरता गरीबी अनुमूलन, सामाजिक सरोकार तथा सामाजिक अर्न्तसम्बन्धों के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। निरक्षर समाज अज्ञानता के स्तर को बढाता है, रूढ़िवादी सोच को पोषित करता है तथा समाज के विकास की गति मे अवरोध उत्पन्न करता है। साक्षरता का अन्य जनांकिकीय लक्षणों से प्रत्यक्ष सम्बन्ध है। जैसे जन्मदर, मृत्यु दर तथा प्रवास जैसे घटक साक्षरता से प्रभावित होते है। इसलिए साक्षरता समाज के सामाजिक, आर्थिक विकास की गति का सूचक है। साक्षरता दर को सकल साक्षरता दर तथा प्रभावी साक्षरता दर से आंकलित किया जा सकता है। प्रभावी साक्षरता दर का परिकलन निम्न सूत्र से किया जाता है–

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-9* May- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

प्रभावी साक्षरता दर

$$= \frac{\text{साक्षर व्यक्तियों की संख्या (7 वर्ष ऊपरी आयुवर्ग)}}{\text{07 वर्ष से ऊपर के आयु वर्ग की कुल जनसंख्या}} \times 100$$

अध्ययन क्षेत्र

विकासखण्ड गैरसैंण जनपद चमोली (उत्तराखण्ड) के 09 विकासखण्डों में से एक प्रमुख पर्वतीय क्षेत्र है। ये ब्रिटिश गढवाल के चॉदपुर परगने की लोहबा पट्टी के अर्न्तगत वर्तमान में एक तहसील और ब्लॉक दोनों है। इसका विस्तार 30^0 4′21′′ उत्तरी अक्षांश से 79^0 17′08′′ पूर्वी देशान्तर तथा 30^0 07′25′′ से 79^0 28′ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। सम्पूर्ण ब्लॉक का क्षेत्रफल 724.47 वर्ग किलोमीटर है।

ब्लॉक गैरसैंण का स्थिति मानचित्र

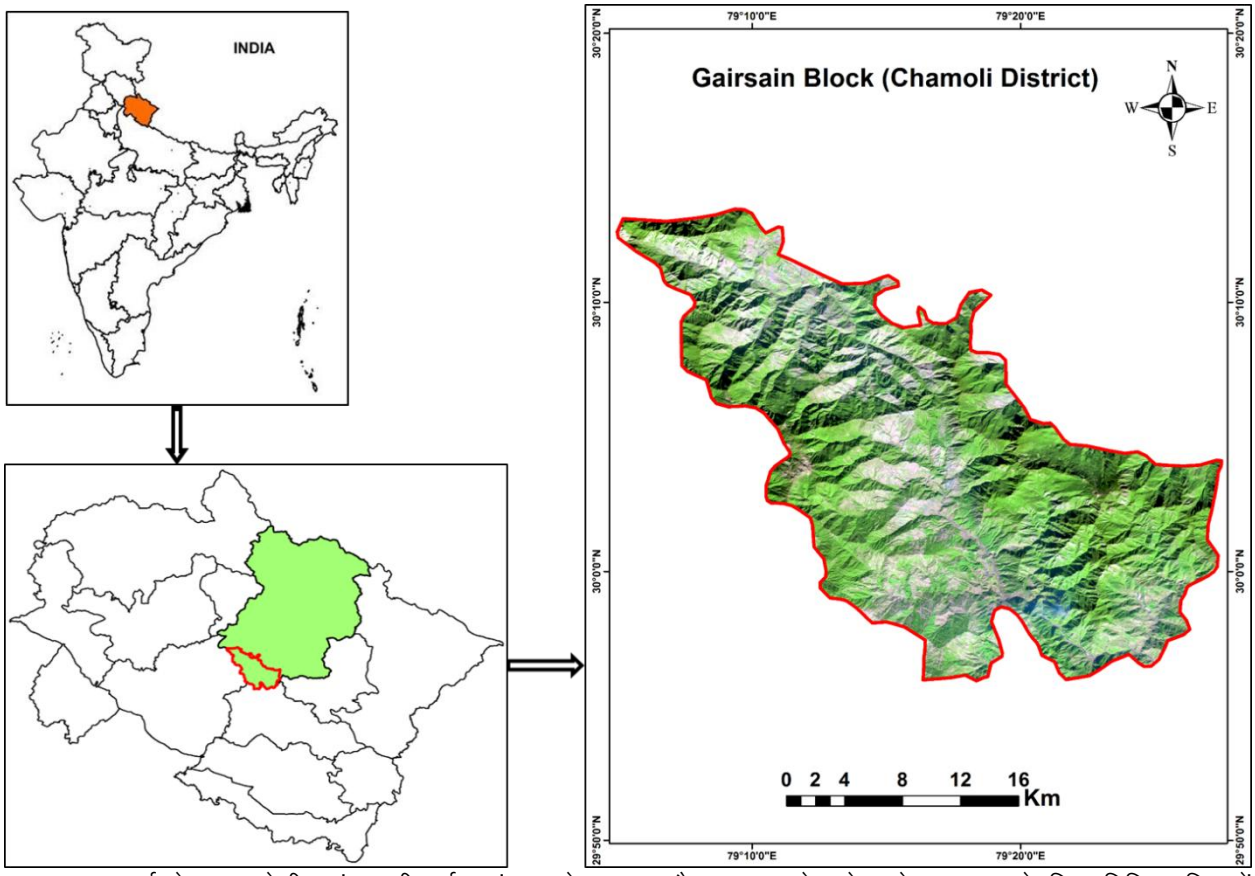

सम्पूर्ण क्षेत्र दूधातोली एवं व्यासी पर्वत श्रंखलाओ से घिरा है। विकास खण्ड की समुद्र तल से ऊॅचाइ 1750. मीटर है। अध्ययन क्षेत्र मे कुल 214 गॉव तथा एक नगर पंचायत गैरसैण है। 214 गॉव में से 203 गॉव आवासित तथा 11 गॉव गैर आवासित श्रेणी में आतें है। गैरसैंण नगर पंचायत का निर्माण 16 गॉवों को मिलाकर हुआ है। जनगणना 2011 के अनुसार ब्लॉक की कुल जनसंख्या 61,996 है, जिसमें से पुरूष जनसंख्या 25566 तथा स्त्री जनसख्या 33430 है।

साहित्यावलोकन

साक्षरता दर का अध्ययन समाज के विकास का सूचक है इसके माध्यम से सम्पूर्ण जनसंख्या के शैक्षिक स्तर का परिकलन किया जाता है । शोध क्षेत्र में भौगोलिक जटिलताओं के अध्ययन के कारण शिक्षा के स्तर में पर्याप्त लैंगिक साक्षरता अन्तराल दृष्टिगोचर होता है। प्रस्तुत शोध क्षेत्र के अध्ययन के लिए विभिन्न विद्वानों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये है जिनमें जी.कृष्णन, एम. श्याम (1974), के. महेन्द्र प्रेमी (1991), बर्मन देसाई (2012), डॉ नवीन चन्द्र, आर. शाह (2013), प्रकाश वीर सिंह (2014), रिपूदामन सिंह (2016) के नाम प्रमुख है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. अध्ययन क्षेत्र की साक्षरता दर प्रवृत्ति का न्याय पंचायत स्तर पर अध्ययन करना।
2. वर्ष 2001 एवं 2011 की जनसंख्या के आधार पर महिला तथा पुरूष साक्षरता दर के अन्तर का अध्ययन करना।
3. अध्ययन क्षेत्र में महिला साक्षरता दर की कमी के कारणों का तथा उपयुक्त सुझावो का अध्ययन करना।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-9* May- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

विधि तन्त्र

प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य जनपद चमोली के ब्लॉक गैरसैंण के साक्षरता प्रतिरूप का स्थानिक वितरण के सन्दर्भ में अध्ययन करना है। अध्ययन में पूर्णतः द्वितीय आकडों का प्रयोग किया गया है। जिनका संकलन भारतीय जनगणना पुस्तिका, जिला संख्यिकीय पत्रिका तथा अन्य पुस्तकों एव पत्र पत्रिकाओं के माध्यम से किया गया है। अध्ययन को रूचिकर एवं वैज्ञानिक बनाने के लिए भिन्न तालिकाओं, आलेख तथा सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग किया गया है।

ब्लॉक में साक्षरता का प्रतिरूप

तालिका संख्या–01
ब्लॉक गैरसैण में साक्षरता की प्रवृत्ति (प्रतिशत में)

वर्ष	भारत	उत्तराखण्ड़	चमोली	गैरसैण ब्लॉक
1991	52.21	57.75	60.59	49.79
2001	65.38	71.62	75.43	58.74
2011	73.03	78.82	82.65	77.50

जिला जनगणना हस्त पुस्तिका 2000 एंव 2011
नोटः– साक्षरता का प्रतिशत 6 वर्ष से अधिक आयु की जनसंख्या पर आधारित है।

तालिका संख्या 1 के निष्कर्ष से यह तथ्य सामने आता है कि प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या में वर्ष 1991 की अपेक्षा वर्ष 2011 में 27.71 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, इसका मुख्य कारण आधारभूत संरचना का निर्माण तथा समाज में जागरूकता का प्रसार होना है। अध्ययन क्षेत्र की साक्षरता दर में पिछलें दशक की तुलना में वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है। तालिका–1 से स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र की वर्तमान साक्षरता दर राज्य के साक्षरता दर से 1. 32 प्रतिशत कम है। जिले की अपेक्षा इस दर में 5.15 प्रतिशत की कमी आंकलित की गई है। वर्तमान साक्षरता दर में वृद्धि का मुख्य कारण सन् 2000 मे उत्तराखण्ड राज्य के निर्माण से है, राज्य निर्माण के परिणास्वरूप अध्ययन क्षेत्र में 265 जूनियर बेसिक स्कूल, 95 सीनियर बेसिक स्कूल, 69 हायर सेकेण्ड्री स्कूल तथ 01 महाविद्यालय की स्थापना हुई है।

तालिका संख्या–02
ब्लॉक गैरसैंण में स्त्री, पुरूष साक्षरता अनुपात में अन्तर प्रतिशत में
(2001 की जनसंख्या के आधार पर)

क्र0सं0	न्याय पंचायत	कुल साक्षरता	पुरूष साक्षरता	स्त्री साक्षरता	साक्षरता अन्तर
1	देवलकोट	70.21	87.81	55.23	32.58
2	आदिबद्री	65.59	82.30	50.72	31.58
3	गैरसैंण (ग्रामीण)	63.39	81.44	48.01	33.43
4	रोहिडा	68.41	89.26	50.50	38.76
5	मैहलचोरी	73.61	91.20	60.15	31.05
6	कुशरानी	71.95	90.68	56.55	34.13
	गैरसैण नगर पंचायत	84.74	95.20	72.48	22.72
	सम्पूर्ण ब्लॉक (ग्रामीण)	68.86	71.60	47.36	24.24

जिला जनगणना हस्त पुस्तिका 2000 एंव 2011
नोटः– साक्षरता का प्रतिशत 6 वर्ष से अधिक आयु की जनसंख्या पर आधारित है।

प्रस्तुत शोध में ब्लॉक गैरसैंण की 6 न्याय पंचायतों की पुरूष साक्षरता, महिला साक्षरता एवं कुल साक्षरता के अध्ययन को प्रदर्शित किया गया है। शोध अध्ययन से यह स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता लैंगिक अन्तराल बहुत अधिक है। सम्पूर्ण ब्लॉक में साक्षरता अन्तराल 24.24 प्रतिशत है।

कुल साक्षरता के सन्दर्भ में गैरसैंण नगार पंचायत पहले पायदान पर है, जिसका प्रतिशत 84.74 प्रतिशत हैं। यह क्षेत्र प्रारम्भ से ब्लॉक का एक महत्वपूर्ण सेवा क्षेत्र रहा है। अतः यहॉ सरकारी विद्यालयों के साथ–साथ निजी विद्यालय भी है। इसी प्रकार सर्वाधिक पुरूष साक्षरता एवं महिला साक्षरता में भी गैरसैंण नगर पंचायत प्रथम स्थान पर है जो कि क्रमशः 95.20 तथा 72. 48 प्रतिशत हैं।

तालिका से स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक साक्षरता अन्तराल रोहिणा न्याय पंचायत का है जिसका सबसे बडा कारण काफी समय तक इस क्षेत्र का परिवहन मार्ग से वंचना तथा स्कूलो की कमी है। इसी प्रकार सम्पूर्ण ब्लॉक में पुरूष साक्षरता एवं स्त्री साक्षरता के मध्य भी बडा अन्तर है जो क्रमशः 71.60 एवं 47.36 प्रतिशत है।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-9* May- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

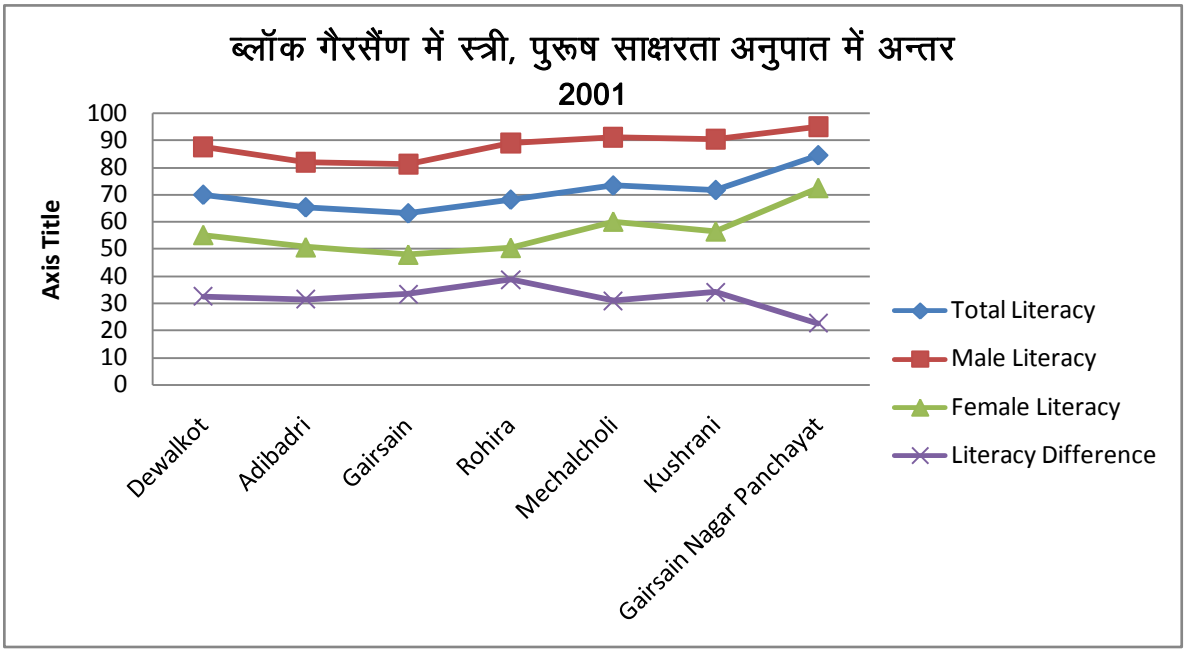

तालिका संख्या–03

ब्लॉक गैरसैंण में स्त्री पुरूष साक्षरता अनुपात में अन्तर (2011 की जनंख्या के आधार पर)

क्र0सं0	न्याय पंचायत	कुल साक्षरता	पुरूष साक्षरता	स्त्री साक्षरता	साक्षरता अन्तर
1	देवलकोट	77.46	91.19	65.70	25.49
2	आदिबद्री	77.02	88.86	67.12	21.74
3	गैरसैंण (ग्रामीण)	75.43	89.21	64.18	25.03
4	रोहिडा	76.19	91.47	64.59	26.88
5	मैहलचोरी	79.14	93.46	68.76	24.07
6	कुशरानी	78.83	93.88	66.86	27.02
	गैरसैण नगर पंचायत	87.27	94.68	80.03	14.65
	सम्पूर्ण ब्लॉक	77.50	91.43	66.37	25.06

जिला जनगणना हस्त पुस्तिका 2000 एंव 2011

नोटः– साक्षरता का प्रतिशत 6 वर्ष से अधिक आयु की जनसंख्या पर आधारित है।

प्रस्तुत शोध में ब्लॉक गैरसैण की 6 न्याय पंचायतों तथा गैरसैंण नगर पंचायत की साक्षरता का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। शोध निष्कर्ष से यह स्पष्ट है कि ब्लॉक में पुरूष एवं महिला साक्षरता में बडा अन्तर दिखता है। तालिका सं0 3 से स्पष्ट है कि नगरीय क्षेत्र गैरसैंण में सर्वाधिक साक्षरता 87.27 है जो कि सम्पूर्ण जनपद तथा ब्लॉक के प्रतिशत से अधिक है।

पुरूष साक्षरता एवं स्त्री साक्षरता मे भी सम्पूर्ण विकासखण्ड में गैरसैंण (नगर पंचायत) प्रथम है, जहॉ साक्षरता प्रतिशत क्रमशः 94.68 तथा 80.03 है। सम्पूर्ण ब्लॉक में सबसे कम साक्षरता प्रतिशत गैरसैण न्याय पंचायत (75.43) का है। पुरूष साक्षरता की दृष्टि से सबसे कम साक्षरता दर आदिबद्री न्याय पंचायत की (88.86) है, जबकि स्त्री साक्षरता में अन्तिम पायदान गैरसैंण न्याय पंचायत 64.12 का है। क्षेत्र मे साक्षरता प्रदेश में वृद्धि जारी है, किन्तु वर्तमान में भी आधारभूत सुविधाओं का अभाव, ग्रामीण क्षेत्रों में सडक मार्गो का अभाव, शिक्षण संस्थानों का अभाव, गरीबी एवं रूढिवादी समाज जैसे कारण कुल साक्षरता तथा स्त्री साक्षरता दर में कमी के मुख्य कारक है।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-9* May- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

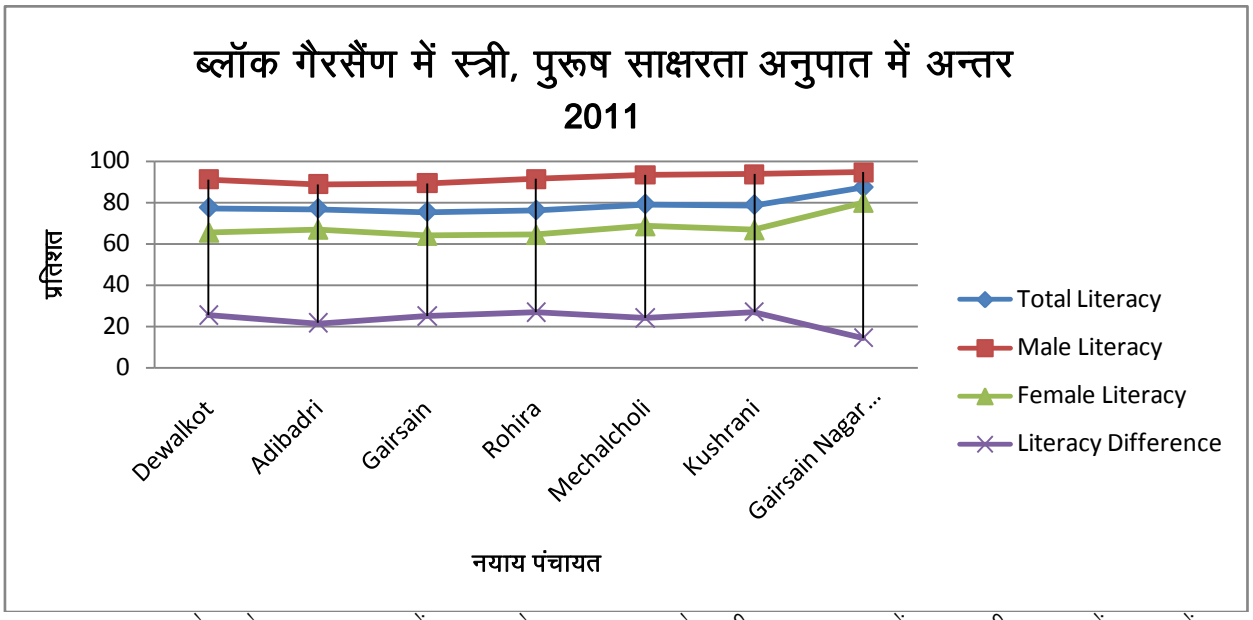

अध्ययन क्षेत्र के साक्षरता दर में अन्तर से यह स्पष्ट है कि समस्त ब्लॉक में पुरूष एवं स्त्री साक्षरता दर में अधिक अन्तर है। सर्वाधिक अन्तर कुशरानी न्याय पंचायत में है, जब्कि सबसे कम साक्षरता दर का अन्तर गैरसैंण न्याय पंचायत (14.65) मे है। ग्रामीण क्षेत्र में सबसे कम अन्तर आदिबद्री (21.74) न्याय पंचायत में है। शोध क्षेत्र की साक्षरता दर में 2001 की तुलना में 2011 में 0.82 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, लैंगिक साक्षरता अन्तराल का अधिक होना समाज की पारम्परिक सोच तथा जागरूकता के अभाव के कारण है। सरकार द्वारा निरन्तर प्रयासों से इस अन्तर को कम किये जाने का प्रयास किया जाना चाहिए।

साक्षरता के आधार पर ब्लॉक गैरसैण को निम्नलिखित श्रेणियों में विभाजित कर अध्ययन किया गया है–

तालिका संख्या –04

न्याय पंचायतवार साक्षरता श्रेणी विभाजन –2011

साक्षरता श्रेणी	साक्षरता दर	साक्षरता दर के अनुसार न्याय पंचायत
उच्च	80 से अधिक	गैरसैंण नगर पंचायत
मध्यम	75–80	समस्त न्याय पंचायत
निम्न	75 से कम	कोई नही

तालिका संख्या–04 से स्पष्ट होता है कि समस्त अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता दर 75 प्रतिशत से अधिक है , जो मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत आते है। केवल गैरसैंण न्याय पंचायत की साक्षरता दर 85 प्रतिशत से अधिक है जो उच्च श्रेणी के अन्तर्गत आता है।

तालिका संख्या–5

ब्लॉक गैरसैंण में 2001 से 2011 के मध्य साक्षरता दर में अन्तर

क्र0सं0	न्याय पंचायत	कुल साक्षरता	पुरूष साक्षरता	स्त्री साक्षरता
1	देवलकोट	7.25	3.38	10.47
2	आदिबद्री	11.43	6.56	16.40
3	गैरसैंण (ग्रामीण)	12.04	7.77	16.17
4	रोहिडा	7.78	2.26	14.09
5	मैहलचोरी	5.53	2.26	8.61
6	कुशरानी	6.88	3.20	10.31
	गैरसैण नगर पंचायत	2.53	–0.52	7.55
	सम्पूर्ण ब्लॉक	8.64	19.83	19.01

जिला जनगणना हस्त पुस्तिका 2000 एंव 2011

नोटः– साक्षरता का प्रतिशत 6 वर्ष से अधिक आयु की जनसंख्या पर आधारित है।

शोध अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य 2001 एवं 2011 की जनसंख्या के आधार पर अध्ययन क्षेत्र की साक्षरता दर की वृद्धि को जानना है, तालिका 05 के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि ब्लॉक गैरसैंण में साक्षरता दर मे जबरदस्त सकारात्मक वृद्धि हुई है। सम्पूर्ण ब्लॉक की कुल साक्षरता वृद्धि दर 8.64 रही है। इसी प्रकार पुरूष साक्षरता दर में 19.83 प्रतिशत की वृद्धि हुई है तथा महिला साक्षरता में भी 19.01 की साक्षरता वृद्धि हुई है। सर्वाधिक साक्षरता वृद्धि दर गैरसैंण न्याय पंचायत मे हुई है जो कि 12.04 की दर है। पुरूष साक्षरता में भी गैरसैंण न्याय पंचायत 7.77 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ प्रथम स्थान पर है। महिला साक्षरता वृद्धि दर में आदिबद्री न्याय पंचायत शीर्ष पर है।

सम्पूर्ण तालिका में गैरसैंण न्याय पंचायत में ही पुरूष साक्षरता में नकारात्मक वृद्धि है, जो –0.52 प्रतिशत है।

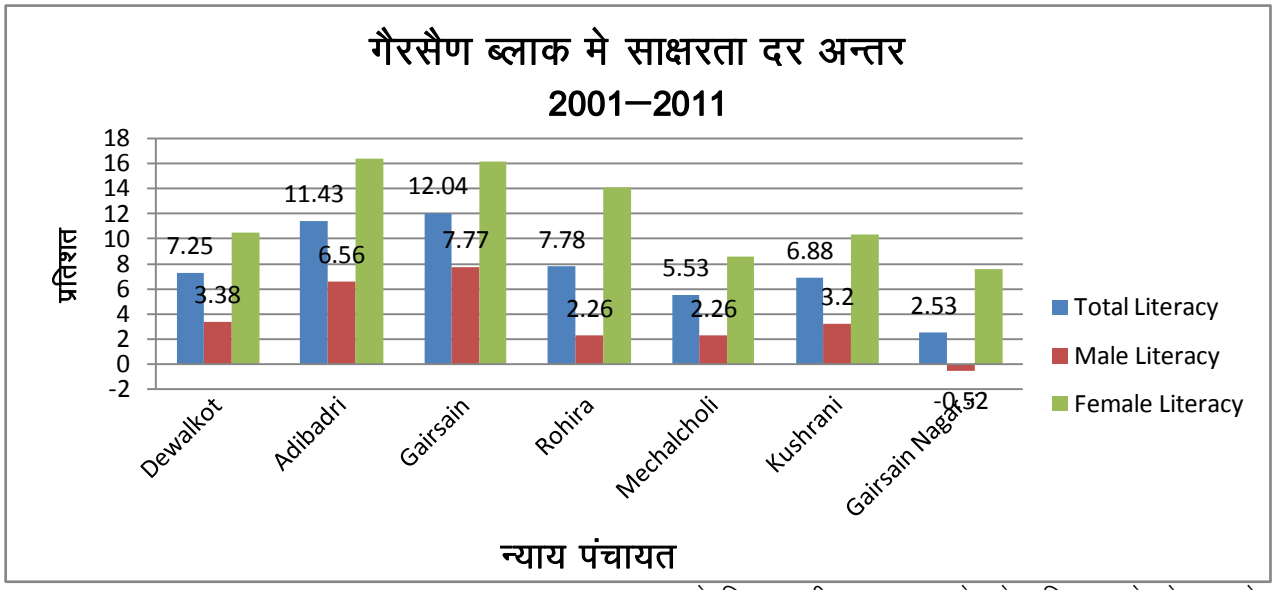

महिला साक्षरता दर में कमी के कारण– प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र में महिला साक्षरता दर में कमी के निम्नलिखित कारण है।

1. भौगोलिक प्रभाव(पहाडी क्षेत्र का अधिक विस्तार)
2. उच्च ड्रापआउट दर
3. तकनीकि अभाव
4. परिवहन साधनों की कमी
5. विद्यालयों एवं अध्यापकों की कमी
6. जागरूकता का अभाव
7. रूढिवादी समाज

निष्कर्ष एवं परिणाम

अध्ययन क्षेत्र स्थानिक साक्षरता वितरण प्रतिरूप ब्लॉक गैरसैंण का एक भौगोलिक अध्ययन हैं। इस शोध पत्र से यह स्पष्ट है कि साक्षरता वितरण प्रतिरूप में कुल साक्षरता, पुरूष साक्षरता एवं स्त्री साक्षरता प्रतिरूप के सन्दर्भ में काफी समानता है, ये अध्ययन न्याय पंचायतों के मध्य तुलनात्मक रूप से किया गया है। किन्तु साक्षरता लैंगिक अन्तराल में पर्याप्त अन्तर दिखाई देता हैं, जो वर्ष 2001 में 24..24 था तथा 2011 में बढ कर 25.06 हो गया है किन्तु धीरे–धीरे सामाजिक जागरूकता के माध्यम से इस अन्तर को कम करने का प्रयास किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त सरकार का शिक्षा के प्रति लगाव, शिक्षकों से शैक्षणिक कार्यो के अलावा प्रशासनिक कार्यभार कम करके, शिक्षा प्रचार–प्रसार करके, अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा, विद्यालय अवसंरचना, शिक्षा सम्बन्धि सुविधायें जैसे(पानी, बिजली, परिवहन, संचार,स्वास्थय, पिछडे क्षेत्रों को विकास की मुख्य धारा से जोड दिया जाये तो इस से न केवल साक्षरता विषमता दूर होगी बल्कि यह ब्लाक शत् प्रतिशत साक्षरता के लक्ष्य को प्राप्त कर पायेगा।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

चान्दना, आर.सी., (2007), जनसंख्या भूगोल, कल्याणी पब्लिकेशर्स नई दिल्ली।

पंत, जे.सी. (2006), जनांकिकी, विशाल पब्लिशर्स कम्पनी, जालंधर (पंजाब) पृ. सं 271–385

Desai,Vaman (2012) Introduction of Literacy in India economics' growth.

District census Handbook Chamoli 2011, 2016.

Gosal G.S.(1979).Spatial perspective on Literacy in India Population Geography1(2),41-67.

Registrar General and Census Commissioner India-2011.

UNDP (2015).Human development report, 2015 work for Human development. New York NY: United Nations Development Program.

कुमार, नरेन्द्र और बहुगुणा, विजय, (दिसंबर 2016) साक्षरता का स्थानिक वितरण प्रतिरूप उत्तर प्रदेश राज्य के जनपद सहारनपुर का एक प्रतीक अध्ययन, Review of Research Journal] Vol- 6] Issue 3] ISSN No- 2249&894X